यूपीपीसीएस (अवर) पाठ्यक्रम (Syllabus)

प्रारंभिक परीक्षा का पाठ्यक्रम

अधिकतम अंक-300 **समय-2 घण्टे** **प्रश्नों की संख्या-150**

1. **भारत का इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन**- भारतीय इतिहास के अंतर्गत सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक पक्षों की सामान्य जानकारी पर महत्त्व होगा। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर अभ्यर्थियों से स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्रीयता का अभ्युदय तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के संबंध में सारपरक जानकारी अपेक्षित है।
2. **भारत एवं विश्व का भूगोल, भारत एवं विश्व का भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल**- भारत के भूगोल के अंतर्गत देश के भौतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल से संबंधित प्रश्न होंगे। विश्व भूगोल में विषय की केवल सामान्य जानकारी अपेक्षित होगी।
3. **भारतीय राजनीति एवं शासन, संविधान, राजनीतिक व्यवस्था, पंचायती राज, लोकनीति एवं अधिकारिक मुद्दे आदि**- भारतीय राजनीति एवं शासन के अंतर्गत देश के संविधान, पंचायती राज तथा सामुदायिक विकास सहित राजनीतिक प्रणाली के ज्ञान से संबंधित प्रश्न होंगे।
4. **भारतीय अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक विकास**- अभ्यर्थियों के जनसंख्या, पर्यावरण तथा नगरीकरण से संबंधित समस्याओं एवं पारस्परिक संबंध, भारतीय आर्थिक नीति एवं भारतीय संस्कृति के व्यापक स्वरूप के ज्ञान का परीक्षण किया जाएगा।
5. **राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ**- इसमें खेलकूद के प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।
6. **भारतीय कृषि**- भारत में कृषि, कृषि उत्पाद एवं उसके विपणन के संबंध में सामान्य जानकारी की अपेक्षा अभ्यर्थियों से होगी।
7. **सामान्य विज्ञान**- सामान्य विज्ञान के प्रश्न दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से संबंधित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य परिबोध एवं जानकारी पर आधारित होंगे, जिसकी ऐसे किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है। इसमें भारत के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका से संबंधित प्रश्न भी होंगे।
8. **प्रारम्भिक गणित हाईस्कूल स्तर तक**- अंकगणित, बीजगणित व रेखागणित।

अभियुक्त- अभ्यर्थियों से यह अपेक्षित होगा कि उत्तर प्रदेश के विशेष परिप्रेक्ष्य में उपर्युक्त विषयों का उन्हें सामान्य परिचय हो।

मुख्य परीक्षा का पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र-प्रथमः सामान्य अध्ययन

अधिकतम अंक-200 **समय-2 घण्टे** **प्रश्नों की संख्या-120**

1. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के सामाजिक मामले: इसमें खेलकूद से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।
2. युक्तिसंगत एवं आलोचनात्मक तथा विश्लेषणात्मक योग्यता।
3. सामान्य मानसिक योग्यता: ऐसे प्रश्न जिनसे अभ्यर्थी की परिणाम परक अभिक्षमता की परख हो स के।
4. सांख्यिकीय विश्लेषण: ग्राफ और डायग्राम, जिनसे अभ्यर्थियों की सांख्यिकीय, ग्राफ की, डायग्राम संबंधी प्रस्तुत सूचना से सामान्य ज्ञान संबंधी परिणाम, निष्कर्ष निकालने की क्षमता की परख हो सके।

5. सामान्य जागरूकता और भारतीय संविधान तथा पंचायती-राज व्यवस्था संबंधी ज्ञान।
6. कम्प्यूटर ज्ञान: कम्प्यूटर का परिचय, हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर नेटवर्क, इंटरनेट एवं ई-मेल।
7. गांधी विचारधारा: राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक क्षेत्र।
8. उ.प्र. पर आधारित विशिष्ट प्रश्न: शिक्षा, संस्कृति, कृषि, जनसंख्या, व्यापार एवं वाणिज्य, सामाजिक प्रथाएँ, उद्योग आदि।
9. अंतर्वैयक्तिक क्षमता जिसमें संप्रेक्षण कौशल, निर्णय क्षमता एवं समस्या समाधान भी समाहित होगा।
10. सामान्य मानव व्यवहार: अनुशासन, नैतिकता, नेतृत्व, महिलाओं का सशक्तीकरण।
11. सामान्य विज्ञान: सामान्य विज्ञान के प्रश्न दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से संबंधित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य परिबोध एवं जानकारी पर आधारित होंगे, जिसकी ऐसी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन नहीं किया है। इसमें भारत के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका से संबंधित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

प्रश्नपत्र-द्वितीय : सामान्य हिन्दी एवं निबंध

पूर्णांक : 200 **समय-3 घंटा**

प्रथम खण्ड-सामान्य हिन्दी **(निर्धारित अंक 100)**

1. अपठित गद्यांश का संक्षेपण, उससे संबंधित प्रश्न, रेखांकित अंशों की व्याख्या एवं उसका उपर्युक्त शीर्षक।
2. शासकीय, अर्द्धशासकीय, वैयक्तिक तथा व्यावसायिक समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित को सम्बोधित पत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना और परिपत्र सम्बन्धी पत्रलेखन/आलेखन।
3. अनेकार्थी शब्द, विलोम शब्द, पर्यायवाची शब्द, तत्सम एवं तद्भव, क्षेत्रीय विदेशी (शब्द भण्डार), वर्तनी, अर्थबोध, शब्द-रूप, संधि, समास, क्रियाएँ, हिन्दी वर्णमाला, विराम चिन्ह, शब्द रचना, वाक्य रचना, अर्थ, मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ, उ.प्र. की मुख्य बोलियाँ तथा हिन्दी भाषा के प्रयोग में होने वाली अशुद्धियाँ।

द्वितीय खण्ड-सामान्य हिन्दी निबंध **(निर्धारित अंक 100)**

इसके अंतर्गत दो उपखण्ड होंगे प्रत्येक उपखण्ड से एक-एक निबंध (कुल मिलाकर दो निबंध) लिखने होंगे। प्रत्येक निबंध की विस्तार सीमा 700 शब्द होगी। निबंध हेतु निम्नवत् क्षेत्र होंगे:

(अ) (i) साहित्य, संस्कृति (ii) राष्ट्रीय विकास योजनाएँ/क्रियान्वयन (iii) कृषि, उद्योग एवं व्यापार।

(ब) (i) विज्ञान, पर्यावरण (ii) प्राकृतिक आपदाएँ एवं उनके निवारण (iii) राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सामयिक सामाजिक समस्याएँ/निदान।